कार्यक्रम का विस्तृत प्रतिवेदन

(अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस – 22 मई, 2016)

विशिष्ट सचिव एवं भारत के नेशनल फोकल पाइन्ट फार CBD, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के पत्रानुसार तथा निदेशक, उ.व.अ.स. के निर्देशानुसार जैव विविधता से संबंधित विभिन्न विषयों के प्रति आम जन में समझ एवं जागरूकता बढाने के लिये उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में दिनांक 22 मई, 2016 को जैव विविधता दिवस मनाया गया। इस वर्ष का निर्धारित विषय था "Mainstreaming Biodiversity: Sustaining People and their Livelihood". आमजन में जैवविविधता का महत्व, हमारे जीवन और जीविकापार्जन में जैवविविधता की महत्वपूर्ण भूमिका, पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन एवं सतत् विकास के लिए हम इस दिन हम अपनी जिम्मेदारियों के लिये प्रतिज्ञा करते है ताकि इस बहुमूल्य संपदा का संरक्षण कर आने वाली पीढियों के लिये जैविक संसाधनों की उपलब्धता बनाये रख सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक जी, प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग के व्याख्यान से हुआ। जिसमें उन्होंने इस वर्ष के निर्धारित विषय पर प्रकाश डाला। डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक-सी, जैव विविधता प्रभाग द्वारा "पक्षियों की राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर स्थिति एवं खतरा" विषय पर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विस्तृत चर्चा की गई तथा बच्चों के लिये फिल्म "जंगल बुक" दिखाई गई। डॉ. मैत्री कुण्डू, वैज्ञानिक-एफ, प्रभागाध्यक्ष, वन संवर्धन प्रभाग एवं डॉ. फातिमा षिरीन, वैज्ञानिक-ई. प्रभागाध्यक्ष, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन प्रभाग के निर्णायक मंडल द्वारा उ.व.अ.सं., जबलपुर के अधिकारियों/कर्मचारियों के बच्चों तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस के बच्चों के जिसे चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम समूह में कक्षा 1 से 5 वीं तक के विद्यार्थियों एवं द्वितीय समूह में कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय था जैवविविधता, मानव जीवन एवं जीविकोपार्जन ।

डॉ. हरिओम सक्सेना, वैज्ञानिक-सी. तथा आकष्ठ वन उत्पाद प्रभाग एवं श्री संजय सिंह, वैज्ञानिक-सी. के निर्णायक मंडल द्वारा प्रष्न उत्तर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दोनों समूह के विद्यार्थियों ने एक साथ भाग लिया।

चित्रकथा प्रतियोगिता में प्रथम समूह में कु. प्रियांशी श्रीवास्तव ने व द्वितीय समूह में कु. अर्चना ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रश्न उत्तर प्रतियोगिता में कु. प्रतीक्षा तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन डॉ. नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक-जी. कार्यक्रम समन्वयक द्वारा विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पारितोषिक देकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरिओम सक्सेना, वैज्ञानिक-सी एवं लोक संपर्क अधिकारी द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रमोद तिवारी, वैज्ञानिक-बी. द्वारा किया गया ।

डॉ. नितिन कुळकर्णी, वैज्ञानिक – जी एवं प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग द्वारा विषय पर प्रारंभिक उद्बोधन का दृश्य

डॉ. हरी ओम सक्सेना, वैज्ञानिक – सी एवं डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक – सी द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन।

- डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक – सी, जैव विविधता प्रभाग द्वारा पक्षियों की विविधता तथा उनको प्रभावित करनेम वाले प्रमुख खतरों पर व्याख्यान का दृश्य।

- कार्यक्रम के समापन के अवसर पर विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा पारितोषिक वितरण का दृश्य।